

है।
गैरसायल को अन्तर्गत धारा 91(3) राजस्थान नू-राजस्व अधिनियम
1956 के तहत नोटिस जारी हो। पत्रावली आयन्दा दिनांक 14.02.2017
को पेश हो।

तहसीलदार, रियां बड़ी
(भागीर - राजस्थान)

32
25-1-2017

2.207

पञ्चायती पेश है। गैर सायल कायम रखे जाने हेतु
पञ्चायती का अग्रणी कर्म संकेत में विवरण इस
प्रकार है कि पञ्चायती एम्पा वज्जट में भौजा वज्जट के
खण्ड नं० 347 खण्ड 0.03 हेक्टेयर किस्म भूमि जे मु.
इसकाय पर सम्वत् 2073 से रबी 1 में भागूराम उर्फ
भागीराम पुत्र श्रीमती सायल कोम जाल बि० वज्जट के विरुद्ध
जे जेत उतकर कबजा करे के सबबध में पी-पी रिपॉर्ट
पेश कि गई। जिस पर इज्जत-भागीराम ने गैर सायल
भागूराम उर्फ भागीराम पुत्र श्रीमती सायल कोम जाल बि० वज्जट
के विरुद्ध राजस्व प्रत्येक कर गैर सायल के विरुद्ध
L.R.A.C.T. 1956 की धारा 91 के अन्तर्गत नोटिस जारी
किया गया है। गैर सायल कायम रखे जाने हेतु एम्पा
वज्जट के खण्ड नं० 347 खण्ड 0.03 हेक्टेयर किस्म
भूमि जे मु. इसकाय भूमि पर भागीराम का से के विरुद्ध
करे के कारण उम्मीद है। इतिहास को ध्यान में
रखकर राजस्व को जे मु. इसकाय पर किसे जाल
उम्मीद को भौतिक रूप से वेदखण्ड करे एवं
भारती के भाग का पचास धुम्प शर्मा (श.व.)

तहसीलदार, रियां बड़ी
(भागीर - राजस्थान)

अक्षर 11 (समय प्रक) काम करिमे गयो हे । पत्रासी-२ का
 १३ बाण्ड को प्रमाण शरीर वरुण एतं अक्षर २१२
 क्रमे असे अक्षर १०७ से अक्षर १०८ से अक्षर १०९ तक
 के अक्षर हरे गये हे । अक्षर प्रमाण शरीर का प्रमाण
 अक्षर अक्षर को अक्षर १०८ अक्षर १०९
 अक्षर १०८ अक्षर १०९ से अक्षर १०९ अक्षर ११०
 को अक्षर-समय प्रमाण के अक्षर ११०

अक्षर ११०, अक्षर १११
 (अक्षर - अक्षर)

अक्षर २०७३ अक्षर १११
 अक्षर १११ अक्षर ११२
 अक्षर ११२ अक्षर ११३

अक्षर ११३ अक्षर ११४
 अक्षर ११४ अक्षर ११५